तापमान
अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .3 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 23 जून 2025

10 4,317 वाहनों की चेकिंग, 149 के चालान 23 जब्त...

10 विधायक, मेयर व पार्षद ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

खबर संक्षेप

खरखौदा बस स्टैंड से बाइक चोरी

खरखौदा। शहर के बस स्टैंड से मोटरसाइकिल चोरी हो गई। छिनौली के सुमित का कहना है कि वह सेंट्रल बैंक से संबंधित सोनीपत जिला की सभी शाखाओं के लाइफ इंश्योरेंस का काम देखता है। इसलिए इधर-उधर आना-जाना लगा रहता है। वह अपने चाचा की मोटरसाइकिल लेकर घर से निकला था, जिसे उसने खरखौदा के बस स्टैंड पर खड़ा किया था और बस में बैठ कर सोनीपत चला गया। काम खत्म कर वह वापस लौटा तो बस स्टैंड पर मोटरसाइकिल नहीं मिली।

भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा 27 को

खरखौदा। आगामी शुक्रवार, 27 जून को खरखौदा में भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक यात्रा ठाकुर जी की रसोई से दोपहर 3 बजे आरंभ होकर गोपालपुर रोड, प्रताप कॉलोनी, सांपला रोड, थाना चौक, ब्राह्मण दरवाजा, पुराना बाजार, मेन मार्केट दिल्ली चौक होते हुए पुनः ठाकुर जी की रसोई पर सम्पन्न होगी। विधायक पवन खरखौदा रथयात्रा का विधिवत शुभारंभ करेंगे। आयोजक मंडल ने भक्तजनों का आह्वान किया है कि वे अपने घर से भगवान श्री जगन्नाथ जी के लिए (बिना प्याज-लहसुन का भोग) अवश्य लेकर पहुंचे।

जजपा जिलाध्यक्ष ने चलाया सदस्यता अभियान

सोनीपत। जननायक जनता पार्टी सदस्यता अभियान के तहत जिलाध्यक्ष ने हल्का राई में आज गांवों का दौरा किया। जिला अध्यक्ष अशोक सरोहा के नेतृत्व में आज हल्का राई के दीपालपुर, मुकीमपुर, नांदनौर, मुरथल गांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। इस अभियान में युवाओं एवं बुजुर्गों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान में साथ रहे हल्का राई अध्यक्ष दिनेश चौहान,पूर्व प्रत्याशी विजेंद्र अंतिल, वरिष्ठ नेता रमेश पहलवान बडोली, जगबीर सरोहा, अनिल सरोहा, सतबीर, रामकुवार फौजी (मुकीमपुर), कुलदीप अंतिल (दीपालपुर) मौजूद रहे।

पत्नी को लेने आए युवक से 12,700 रुपये लूटे

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम लूट की वारदात से हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में काम करने वाली पत्नी को लेने आए एक युवक से 12,700 रुपये की नकदी झपट ली गई। वारदात उस समय हुई जब युवक निफ्टम चौक के पास एक रेहड़ी से मोबाइल चार्जर की लीड खरीद रहा था।

पीड़ित संदीप, दिल्ली के एमसीडी पार्क क्षेत्र के निवासी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी कुंडली स्थित एक फैक्ट्री में काम करती हैं। शनिवार को वह उन्हें लेने के लिए कुंडली आए थे। निफ्टम चौक के पास वह एक रेहड़ी से मोबाइल चार्जर खरीद रहे थे, तभी तीन-चार युवक अचानक आए और जेब से 12,700 रुपये निकालकर फरार हो गए।

ईरान पर अमेरिका की बमबारी की निंदा की

सोनीपत। सीपीआईएम (माकपा) के जिला सचिव आनंद शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए ईरान पर संयुक्त राज्य अमेरिका की बमबारी की कड़ी निंदा करते की। यह ईरानी संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का गंभीर उल्लंघन है, और इससे वैश्विक तनाव बढ़ेगा, पश्चिम एशिया में अस्थिरता आएगी और गंभीर आर्थिक परिणाम होंगे। अमेरिका और इज़राइल यह दावा करके अपने हमलों को उचित ठहरा रहे हैं कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की कगार पर था, हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने 19 जून को कहा: हमारे पास ईरान द्वारा परमाणु हथियार बनाने के लिए व्यवस्थित प्रयासों के कोई सबूत नहीं है।

पूरा दिन धूप और उमस ने लोगों को किया पसीने से तर बतर

उमस, बिजली संकट व पेयजल की किल्लत ने किया जनजीवन बेहाल

मौसम विभाग की चेतावनी साबित हुई खोखली, बिजली ने लोगों की नींद और चैन उड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रविवार को जिले में मौसम और बिजली दोनों ने आमजन को बुरी तरह से परेशान किया। सुबह से ही आसमान में बार बार बादल छाते रहे, लेकिन एक बूंद बारिश नहीं हुई। गर्मी और उमस से लोगों का बुरा हाल हो गया। मौसम विभाग द्वारा दी गई भारी बारिश की चेतावनी रविवार को भी सिर्फ चेतावनी ही बनकर रह गई। उधर, बिजली की आंख मिचौनी ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। खासकर मंडी क्षेत्र और आसपास की कॉलोनियों में शनिवार रात से लेकर रविवार पूरे दिन बिजली कभी आती तो कभी चली जाती रही। इस कारण न केवल लोगों की नींद पूरी हुई, बल्कि पानी की सप्लाई भी बाधित हो गई। बिजली की अनियमितता का सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों पर पड़ा। पंखे, कूलर और एसी सब बेकार साबित हुए। लोग घंटों तक निगम के हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल करते रहे लेकिन समाधान नहीं मिला।

रविवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि शनिवार को यह 32 डिग्री था। हालांकि हवा में नमी और उमस के कारण तापमान का अहसास 45 डिग्री से कम नहीं था। दोपहर के समय सड़कें सूनी हो गईं, लोग घरों

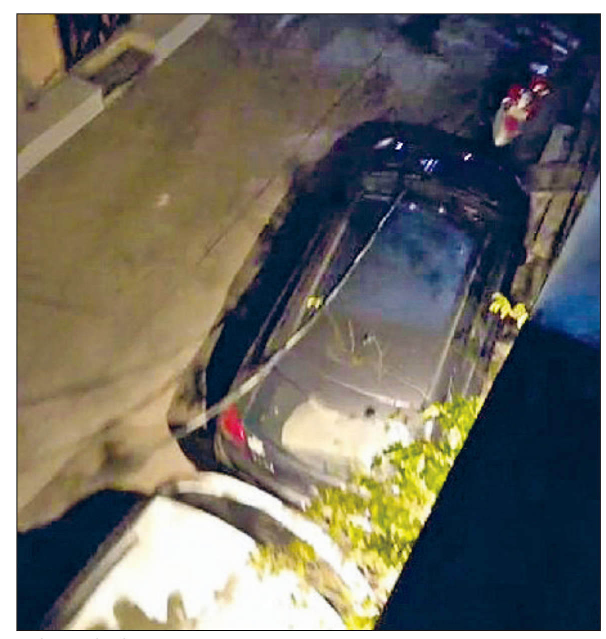

सोनीपत। विशाल नगर में एक खंभे से निकलती चिंगारियां, विशाल नगर में गाड़ियों पर गिरी बिजली की तार।

ट्रांसफार्मर से निकलती रही चिंगारियां

विशाल नगर क्षेत्र में बिजली और पानी की समस्या चरम पर रही। शनिवार देर रात 11 केवी फीडर ब्रेक डाउन हो गया, जिससे पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। इसी दौरान सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में लगे ट्रांसफॉर्मरों में चिंगारियां निकलती रहीं। मंडी क्षेत्र और आसपास की कॉलोनियों में शनिवार रात से ही बिजली की आपूर्ति बाधित रही। रविवार को दिनभर बिजली कभी आती तो कभी जाती रही। इससे न केवल नींद में खलल पड़ा बल्कि पेयजल आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई। निगम के हेल्पलाइन नंबरों पर घंटों कॉल करने के बावजूद लोगों को कोई राहत नहीं मिल सकी।

विशाल नगर में टूटी बिजली की तार

विशाल नगर में एक ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी के कारण बिजली की एक तार टूटकर सीधा गली में खड़ी गाड़ियों पर जा गिरी। गनीमत रही कि हादसे के समय गली में कोई राहगीर मौजूद नहीं था, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत बिजली विभाग को दी, लेकिन रातभर कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। वहीं विशाल नगर की पेयजल आपूर्ति की स्थिति भी चिंताजनक रही। रविवार को सप्लाई का दिन नहीं था, लेकिन शनिवार देर रात जो पानी की आपूर्ति हुई, वह बिजली न होने के कारण लोगों तक नहीं पहुंच पाई।

सोमवार को हो सकती है बारिश

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय था, लेकिन कुछ क्षेत्र में हवा का दबाव नहीं बन पाया इस वजह से घोट बना हुआ है। सोमवार को भी बारिश हो सकती है। इसी दबाव की वजह से मानसून की गति भी धीमी हो गई है। ऐसे में मानसून एक दो दिन देरी से एनसीआर में आ सकता है।

-डॉ. प्रेमदीप, मौसम वैज्ञानिक, केवीके, सोनीपत

एसी का प्रयोग खूब बढ़ा

ज्यादाता लोगों ने लोड नहीं बढ़वा रखा और इन दिनों में एसी का खूब प्रयोग हो रहा है। जिसके कारण ट्रांसफार्मर और खंभों पर समस्या होती है। अगर लोग लोड बढ़वाएं तो उसी हिसाब से क्षेत्र में बिजली के लिये इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया जा सकता है।

-जीआर तंवर, अधीक्षक अभियंता, बिजली निगम, सोनीपत

गर्मी और उमस ने किया परेशान

रविवार को भी शनिवार की तरह ही दिन भर मौसम में उमस बनी रही। नमी अधिक होने और धूप निकलने के कारण लोगों को उमस ने खासा परेशान किया। लोग घरों में ही दुबके रहे। आलम ये था कि दोपहर के समय बाजार और सड़कें सुनसान दिखाई दी। बता दें कि मौसम विभाग ने रविवार को तेज बारिश और सोमवार को भी बारिश की संभावना जताई थी, लेकिन रविवार को तो लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ा।

मायके जा रही मां और बेटे की दर्दनाक मौत

बाइक चालक गंभीर रूप से घायल

- एनएच-334बी पर भीषण सड़क हादसा, राठधना के पास तेज रफ्तार ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रविवार को एनएच-334बी पर राठधना गांव के पास एक हृदय विदारक सड़क हादसे में एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। तीनों ही बाइक पर सवार थे और रोहतक से दीपालपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान राठधना गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी दी। जिसमें महिला और उसके 12 वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक आरोपित ट्रक चालक पुलिस गिरफ्त से बाहर था।

जानकारी के अनुसार, 33 वर्षीय वर्षा की शादी गढ़ी बोहर (रोहतक) में हुई थी। वह मूल रूप से दीपालपुर की रहने वाली थी और रविवार को अपने 12 वर्षीय बेटे प्रवेश के साथ मायके आ रही थी। अशोक निवासी कन्हेड़ी (रोहतक) के साथ बाइक पर सवार होकर आ रही तीनों जैसे ही तीनों राठधना गांव के पास एनएच-334बी पर पहुंचे, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि वर्षा और प्रदीप सड़क पर दूर जा गिरे और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस और राहगीरों की मदद से पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। घटना के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। सेक्टर 27 थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया और परिजनों को सूचित किया। हादसे की खबर मिलते ही मृतका के ससुराल और मायके में कोहराम मच गया। दोनों परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुरखास के खिलाड़ी लव गुलिया ने 75 किलो भार वर्ग कुश्ती में जीता स्वर्ण

गन्नौर। नागपुर महाराष्ट्र में हुई अंडर 15 आयु व 75 किलो भार वर्ग में गांव पुरखास के खिलाड़ी लव गुलिया ने कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता है। कोच सुभाष ने बताया कि पुरखास गांव का खिलाड़ी लव गुलिया ने कर्नाटक, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश के पहलवानों को पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया है। पदक जीतने के बाद अब लव गुलिया एशियाई चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा । उन्होंने बताया कि लव गुलिया अपने परिजनों के साथ कुरुक्षेत्र में रहकर अपनी तैयारी कर रहा है । लव के पिता कुश्ती में अर्जुन अवार्ड व हरियाणा पुलिस में डीएसपी के पद पर तैनात रमेश गुलिया भी लव को समय-समय पर अपना मार्गदर्शन देते रहते हैं। पदक विजेता लव गुलिया ने इस सफलता का श्रेय अपने कोच सुभाष व अपने दादा बलवान गुलियां व पिता रमेश गुलिया को दिया है । उन्होंने बताया कि बचपन से ही वह कुश्ती की तैयारी कर रहा था।

गन्नौर। पुरखास के खिलाड़ी लव गुलिया कुश्ती में पदक जीतने के बाद ट्राफी लेते।

एनएच-334 बी पर ट्रक की चपेट में आया फ्लिपकार्ट कर्मी, मौत

- इ्यूटी से लौटते समय हुआ हादसा, चालक ट्रक छोड़कर फरार, पुलिस ने की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शुक्रवार देर रात सोनीपत के नसीरपुर फ्लाईओवर के पास एनएच-334 बी पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना कलां निवासी सूरज के रूप में हुई है, जो मल्हा माजरा स्थित फ्लिपकार्ट कंपनी में कर्मचारी थे।

जानकारी के अनुसार सूरज अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद किसी कार्य से बहालगढ़ की ओर जा रहे थे। नसीरपुर फ्लाईओवर के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गए और ट्रक का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को कुछ दूरी पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों द्वारा दी गई सूचना के बाद राई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेजा। पुलिस ने फरार चालक की पहचान मिंटू, निवासी गांव कुकेड़ा, मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में की है। राई थाना पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सूरज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द आरोपित को गिरफ्तार करने का आश्वासन दे रही है।

अंबाला-दिल्ली रेलमार्ग पर युवक की संदिग्ध मौत

सोनीपत। रविवार सुबह अंबाला-दिल्ली रेलमार्ग पर उस समय सनसनी फैल गई जब हिंदू कन्या महाविद्यालय के पास डाउन लाइन पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। जीआरपी जांच अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 6:30 बजे किसी राहगीर द्वारा सूचना दी गई कि रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा है। घटनास्थल पर पहुंचकर की गई प्रारंभिक जांच के अनुसार, युवक की मौत रेल हादसे में होने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की उम्र 25 से 28 वर्ष के बीच अनुमानित है। उसके गले और छाती पर गंभीर चोटें हैं, साथ ही हाथ-पैर टूटे हुए हैं। पुलिस को शव के पास कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

10 दिनों से प्रभु नगर में हो रहा दूषित पेयजल सप्लाई, गायब हुई पाइप लाइन

- पाइप लाइन ढुंढने के लिये जगह जगह गड्ढे खुदवाए नगर निगम ठेकेदार ने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ओल्ड रोहतक रोड स्थित प्रभु नगर में पिछले 10 दिन से दूषित पेयजल की आपूर्ति हो रही है। जिसके कारण कॉलोनी में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 100 से ज्यादा घरों में पानी का संकट बना हुआ है। स्थानीय निवासियों की तरफ से नगर निगम के अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी पानी की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। नगर निगम ठेकेदार के माध्यम से जगह-जगह गड्ढे खुदवाने पड़ रहे हैं, लेकिन पाइप लाइन नहीं मिल रही है। प्रभु नगर निवासी गोपाल गोयल, अरविंद, ऋषि पालीवाल ने बताया कि सीवर का पानी मिक्स होकर आ रहा है। लोगों के सामने 10 दिन से पानी की समस्या बनी हुई है। अधिकारियों को इस संबंध में शिकायत दीगई है। नगर निगम के ठेकेदार एक सप्ताह से पानी की लाइन चेक कर रहे है। सीवर का पानी कहां से आ रहा है, इसका अभी तक पता नहीं लग पाया है। ठेकेदार के कारिंदों ने जगह-जगह से गड्ढे खोद दिए है, लेकिन समस्या का अभी तक समाधान नहीं हो पाया है। जिसके चलते गर्मी में लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। अनिल कुमार, रमेश शर्मा व विक्की ने बताया कि लोगों को पानी खरीदकर पानी पड़ रहा है। नगर निगम की ओर से पानी की लाइन नहीं मिल रही है। जिसकी वजह से समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

जल्द ठीक होगी लाइन

प्रभु नगर में पानी की लाइन नहीं मिल रही है। पानी की लाइन मिलते ही उसकी मरम्मत की जाएगी। इसके बाद कॉलोनी में साफ पानी की आपूर्ति हो सकेगी। लाइन की जांच जारी है। जल्द ही इसका समाधान कर दिया है।

-सचिन शर्मा, कनिष्ठ अभियंता, नगर निगम

कुत्तों को ईंट मारने से रोका तो बुजुर्ग पर ही कर दिया हमला

सोनीपत। सेक्टर-15 स्थित श्मशान घाट के पास एक लकड़ी की टाल पर काम कर रहे 63 वर्षीय बुजुर्ग कर्मचारी के साथ क्रूरता की हद पार हो गई। कुत्तों को ईंट मारने से रोकने पर एक युवक ने डंडे से हमला कर उनका पैर तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पीड़ित लायक सिंह, जो लकड़ी कारोबारी मनोहर लाल की टाल पर कार्यरत हैं, ने बताया कि घटना 14 जून की है। वह टाल पर बैठे थे, तभी एक युवक वहां आया और कुत्तों को देखकर भड़क गया। पहले तो उसने कुत्तों को भगाया, लेकिन फिर ईंट उठाकर उन्हें मारने लगा। जब लायक सिंह ने उसे ऐसा करने से मना किया तो वह गाली-गलौच पर उतर आया। जब पीड़ित जाने लगे, तो युवक ने रास्ता रोककर डंडे से उनके पैर पर वार कर दिया। हमले में लायक सिंह का पैर टूट गया।

देहरादून से नहीं लौटी जिंदगी, धीरान के पारस व अंकुश की हादसे में मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

मृतक पारस व अंकुश का फाइल फोटो

गांव पुरखास धीरान में रविवार को उस वक्त मातम छा गया जब देहरादून से एक दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना गांव पहुंची। गांव के पारस और अंकुश की हादसे में मौत हो गई। दोनों आपस में चाचा-भतीजे थे और शनिवार को ही अपने रिश्तेदारों के साथ देहरादून घूमने निकले थे। हादसे में मृत 26 वर्षीय पारस, किसान जयकरण का सबसे छोटा बेटा था।

चार भाइयों में सबसे छोटा पारस खुद भी खेती-बाड़ी करता था और अपने शांत व मेहनती स्वभाव के लिए गांव में जाना जाता था। विवाहित पारस एक छोटे बच्चे का पिता था। वहीं, 19 वर्षीय अंकुश पढ़ाई कर रहा था। उसके पिता गांव में प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं। अंकुश पढ़ाई में अच्छा था और जीवन में सफलता पाना चाहता था। दोनों युवक अपने रिश्तेदार अंकित निवासी जुलाना, जींद और नवीन निवासी खेड़ी, रोहतक के साथ देहरादून गए थे। रविवार को आशारोड़ी चेकपोस्ट पर उनकी कार ट्राले से टकरा गई, जिससे चारों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य साथी विनय गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पूरे गांव में गमगीन माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ब्राह्मण उत्थान समिति ने उठाए गंभीर सवाल

श्रीराम शर्मा चौक का नवीनीकरण बना मजाक

- बिना वर्क ऑर्डर के तोड़फोड़, स्वीकृत राशि में भी गड़बड़ी के आरोप, प्रशासन पर सम्मान की अनदेखी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्वतंत्रता सेनानी पंडित श्रीराम शर्मा के नाम से स्थापित सोनीपत का प्रमुख चौंक एक बार फिर विवादों में है। दो वर्षों से खस्ताहाल इस चौंक के नवीनीकरण की मांग लगातार की जा रही है, लेकिन अब तक ठोस कार्यवाही नहीं होने से समाज में नाराजगी है।

इसी मुद्दे पर शनिवार को ब्राह्मण उत्थान समिति ने चौंक पर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए। समिति के अध्यक्ष पं. मुकेश शर्मा जब अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे तो वहां केवल दो मजदूर तोड़फोड़ करते मिले। ठेकेदार नदारद था और फोन पर संपर्क करने पर खुलासा हुआ कि अभी तक उसे वर्क ऑर्डर ही नहीं मिला। ऐसे में बिना वैधानिक अनुमति के कार्य शुरू करवाना कैसे उचित है, यह सवाल समिति ने जोरशोर से उठाया।

सोनीपत। विरोध प्रदर्शन करते हुए ब्राह्मण उत्थान समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

मंजूरी राशि में विसंगति का आरोप

मुकेश शर्मा ने चौंक से संबंधित कार्य स्वीकृति का एक पत्र भी दिखाया, जिसके अनुसार नवीनीकरण के लिए महज 3.86 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। जबकि मेयर राजीव जैन, विधायक निखिल मदान और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली सार्वजनिक रूप से 5 लाख रुपये की बात कर चुके हैं। उन्होंने पूछा कि यह राशि कैसे घटाई गई और पारदर्शिता क्यों नहीं बरती गई? इतना ही नहीं, 3.86 लाख रुपये में से 2.49 लाख रुपये केवल एक स्टील रेलिंग के लिए दर्शाए गए हैं। समिति का कहना है कि यह संपूर्ण प्रक्रिया खानापूर्ति है और इससे चौंक का स्थायी समाधान नहीं हो सकेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समिति के सदस्य अनिल जमदग्नि, सत्यनारायण शर्मा, विजय पाराशर, राजबीर कौशिक, भारत भूषण, अजय शौनक, राजेंद्र गौतम, सुरेश कौशिक, हर्ष पंडित, चौबे पंडित, जिले सिंह वशिष्ठ, राजेश वत्स और विशाल वशिष्ठ सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। सभी ने मांग की कि नवीनीकरण कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ तत्काल शुरू किया जाए।

जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण।

फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

गृहणियां अक्सर एक ग्लॉरीफ़ाइड नौकरानी भर रह जाती हैं!

दुल्हन भाभी का सूटकेस बेड पर खोल कर, ब्याह में आई सभी ननदें घेरा बनाकर बैठ गईं।

"अरे ! ये बैंगल बॉक्स तो कितना सुंदर है! और कंगनों के सेट भी इसके अंदर जैसे बहुत खोजकर सजाए हैं। ये गुलाबी तो चूड़ियां हैं कि मोतियों की लड़ियां ?"

मँझली बुआ सास की बेटी कहती है "ये मेरा अपने आप को शादी का गिफ्ट है। इसे तैयार करने में बाज़ार के कितने चक्कर लगाने पड़े !"

"ये तो अब मेरा हुआ !" सगी ननद चंचल ने पूरा बॉक्स उठा लिया और बंद कर, बाँह के नीचे दबा लिया।

"अरे! अरे ! कहाँ उड़ाये लिए जाती हो ? नज़र भर देखने तो दो !" छोटी बुआ श्रद्धा कहती हैं जो उम्र में विवाहित ननदों से कुछ ही बड़ी थीं और इसी गुट में डटी रहती थीं। चिढ़ने वाली पाहुनी मौसी सास सुबह ही कह रही थीं, "सींग कटाकर बछड़ों में शामिल!"

श्रद्धा बुआ टोकती ही रह गईं और चंचल ये जा वो जा! वे कोई फड़कता हुआ व्यंग्य करतीं लेकिन तभी उनका ध्यान दुल्हन की दूसरी ब्याहता ननद कंचन पर गया जो सूटकेस को ऐसे उलट-पुलट रही थी जैसे चंचल का मुनाफा उसका नुकसान है। अब इससे भी ज्यादा मुनाफा न हो तो लानत है उसकी चतुराई पर।

"ये सिंदूरी साड़ी मैं लूँगी !"

सूटकेस में जो सबसे मूल्यवान बनारसी साड़ी दिख रही थी, बड़ी ननद कंचन ने वो निकाल कर तुरंत अपने बैग में डाल दी। बगल में चचेरी-ममेरी-फुफेरी ननदें, दुल्हन को सुन-सुनाकर फुसफुसाती रहीं, "ये दोनों कितनी लालची हैं !"

"अरे ! अभी तो बस इनका ही रंग देखा है बहू ने; इनकी माँ का नहीं देखा !"

...और माँ वेणी वाकई बेटियों चंचल और कंचन से दो कदम आगे थी !

शाम को बहू से कहा, "अरे, शादी में कितनी अंगूठियाँ मिली हैं जरा उतार कर दो तो; पाहुनियों को दिखानी हैं।"

बहू ने छह अंगूठियाँ उतार कर दे दीं। सास बाहर ले गई और थोड़ी देर बाद लौटा ले आई।

"लो पहन लो, अपनी अगूठियाँ।"

बहू देख रही है; छह अंगूठियाँ लेकर गई थीं, पाँच लौटा रही हैं सो भी एक-एक को गौर से देखती-तोलती-सी।

क्या वो कह दे कि एक अंगूठी कम है? एकाएक चोरी का इल्जाम कैसे लगा दे ऐसे ! सोच रही थी कि रात में पति योगेश से बात करेगी।

लेकिन यहाँ तो ये हाल था कि लंका के छोटे वीर, वे भी उनचास हाथ के! वही सोने की अंगूठी पतिदेव ने दीप्ति को घूँघट उठाते समय पहना दी।

...उसका दिल टूट गया !

कैसी धूर्त ससुराल मिली है ! लेकिन अब पैरों के नीचे की ज़मीन यही है; मायके में तो अम्मा ने कभी महसूस ही न होने दिया कि दोनों भाई-भाभियों के अलावा भी वो घर किसी का है! शादी से बरस भर पहले जब बी.एड. की उसकी फीस का सवाल था तो उन्होंने साफ मना कर दिया था,

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण। मायके से बी.ए. पास करके जा रही हो; इतना भी बहुत है! आगे और जो अरमान हों, अपने घर जाकर पूरे करना। और इस साल तो वैसे भी मेरा घुटने का ऑपरेशन है। तुम कॉलेज जाओगी तो घर का सब काम कौन करेगा ? बड़ी बहू दिल्ली में, छोटी अपने बच्चों में उलझी रहती है। ऐसा करो अब ये पढ़ाई-वढ़ाई बंद करो। और इस साल मन लगाकर घर-गृहस्थी सीखो! हर समय हाथ में किताब लिए फिरती हो। रसोई में मन लगाओ ! कल को ससुराल जाओगी तो क्या हमारी नाक कटाओगी !"

लेकिन फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी।

"आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी। पर इसमें क्या नया है ? ससुराल वाले नई बहू से नौकरानी जैसा ही बर्ताव तो करते हैं। सोच ये रहती है कि शुरू में ही दबा लो फिर पूरी जिंदगी सुख से सेवा करवाओ। नहीं तो, जो शुरू में सिर पर चढ़ गई तो उम्र भर नाचेगी नहीं बल्कि नचाएगी! दीप्ति लेकिन अपने लिए एक ऐसा भविष्य देखती है जो आसपास के माहौल से हटकर है। वो पति की साथी बनना चाहती है; बूढ़े सास-ससुर का सहारा। इसके अलावा, उसका अपना एक जीवन हो, पहचान हो, आत्म निर्भरता हो और सबसे बढ़कर सम्मान हो!

दीप्ति पीतल का टेबल लैम्प और गमले नींबू, राख और दही से साफ कर रही है। बैठक की हर चीज़ अब तक वो ही साफ करती रही थी। अपनी सोच में गुम है, क्या अम्मा से बात करे या पापा से ही फिर कहे! बड़े भैया को भी तो फोन कर सकती है दिल्ली। उनकी तो सरकारी नौकरी है फिर भी तो खर्च खेती और पापा की पेंशन से उठता है। क्या छोटी बहन को इतना भी न दे सकेंगे? जब बी.एड. के बाद उसकी नौकरी लगेगी तो चुका देगी। ये बात तो वो प्रदीप भैया से भी कह सकती है। अभी ही तो भाभी दिखा रही थीं उसे अपना नया लॉकेट, जो कहने को तो वे अपने मायके से लाई हैं; लेकिन वो असलियत जानती है कि भैया ने उन्हें बनवा कर दिया है!

लैम्प और गमले सब धो-माँजकर उसने एक ओर टिका दिए धूप में, हमेशा की तरह; और बैठक में जाकर बल्ब, डोरी, प्लग लाने चली गई ताकि उसे लैम्प में फिर से फिट कर सके। लौटकर देखती है कि पीतल का सब सामान गायब!

"अरे अम्मा ! लैम्प, गमले सब कहाँ गए ?"

"तुम्हारी भाभी ले गई अपने कमरे में ?"

"क्यों ?"

"ले जाने दे; तू क्यों पूछती है? क्या अपने घर ले जाने की मंशा थी ?"

ये इल्जाम! दीप्ति का दिल फिर टूट गया। आगे उसका यहाँ आना मेहमानों-सा रह गया। जब भी आती, अम्मा चिंतित-सी होकर पापा से पूछती, "दीप्ति को कितने की विदाई देनी है ?"

- क्रमश...

कविता | **अरुण आशरी**

व्यथा एक पेड़ की

खुले आसमान तले
मैं भी कभी इतराता था
ऊँचा उठने की होड़ में
पूरी गर्मी झेल जाता था
मेरी छाँव तले
कितने ही मुसाफिर
राहत की साँस ले पाते थे
मन ही मन
शुक्रिया अदा कर
आगे बढ़ जाते थे,
बच्चे भी नादानियों की
बरसात लेकर आते थे
तरह-तरह के खेल खेलकर
मेरे सर तक चढ़ जाते थे
कभी मेरी बाँहों की डाल पर झूलते
कभी झूलते-झूलते
जमीं पर कूदते
आनंद की सीमा भी लांघ जाते थे
तब कहीं जाकर अपने घर जाते थे
मैं भी रात को ही
चैन की नींद ले पाता था
मन ही मन अपने भग्य पर इतराता था
अगली सुबह फिर
नई ताजगी के संग उठ जाता था,
इंसान भी,
जहाँ मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता था
सुन्दर, मनोहर जैसे शब्दों से
मुझे अलंकृत कर जाता था
और फिर घर भी वहीं बनाता था।
आज वही इंसान
जहाँ कहीं भी
मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता है
सबसे पहले उन्हें कटवाता है
फीते से जगह नपवाता है
बहुत सुन्दर जगह का
अलंकरण अब भी दे जाता है
पर घर वहीं बनाता है।
प्रदूषण का खंजर
अब मेरे खून से सनाँ है
मेरी अब की हालत
कुछ इस तरह बयाँ है,
कोई भी मुसाफिर
अब यहाँ नहीं आता है,
बच्चा भी बस
दूर से ही देख चला जाता है।
प्रदूषण की मार
इस क़दर मुझे रुला गई,
मुझे भी इक बात समझ में आ गई,
खुले आसमान तले भी मैं,
इक पिंजरे में बंद हूँ,
जब लोग दिल में दिमाग रखते हैं,
तो मैं कहाँ का अक्लामन्द हूँ।

गीत | **डॉ. पंकज गौड़**

हे युवा स्वयं का निर्माण कर

बंद कर छद्म युद्ध,शांति से बनेगा बुद्ध
हर धर्म के प्रति,मन में मान भर
जान ले तू,खुद को,वीरता समुद्र को
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

जुल्म की है इंतिहा,रास्ते कठिन तो क्या
हर नगर;डगर नया गुमान दे।
कोई कहीं से गया,तुझे उससे क्या गिला
नित्य नव्य पंथ तू निकाल ले।

आंसू ले गरीब के,जुल्म मिटा करीब के
झोपड़ी में दीप का तू दान कर।
खेत के किसान को,सीमा पे जवान को
हर घड़ी हृदय से रख,सलाम कर।

दर-दर की हर खबर रखते हो तुम मगर
दीप क्यों बुझे है स्वाभिमान के ?
रक्त मांगती धरा,बुत ना हो, नजर मिला
हो प्रसन्न प्राण अपने वार कर।

खुद,खुद से युद्ध कर,आत्मा को शुद्ध कर
ज्ञान से तमस हटा,अलख जगा।
ज्ञात से अज्ञात तक,रात से प्रभात तक
साथ दें, हमकदम गले लगा।

अथाह की तू थाह ले,चाही अपनी राह ले
उधार के विचार नहीं काम के।
खोज के जतन से,मौज से; मनन से
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

लघुकथा | **सविता गोयल**

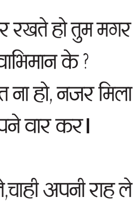

तपन

काका, इतनी भरी दोपहरी में कहाँ जा रहे हो ? बाहर लू चल रही है, बीमार हो जाओगे।

'बिटवा, जब घर में चूल्हा ठंडा पड़ा हो तो ये सर्दी-गरमी कहाँ हमरे बदन को छूवत है। पेट की आग बुझावे के खातिर बदन को थोड़ा तपाने में का हरज है। दो पैसा कमाकर घर में लाएंगे तो घर में चूल्हा जलेगा। बच्चा लोग का पेट में रोटी और चेहरा पर शांति देखेंगे तो ई सारी तपन ठंडी हो जावेगी।, कहते हुए उस झुलसती दोपहरी में भी रघु काका ठेला लेकर काम ढूंढने निकल पड़े।

कविता | **राजेश 'भारती'**

रोटी का हिस्सा

रोटी बनाते वक़्त, माँ अक्सर कहती थी
थोड़ा-सा आटा बचा लिया कर
पंछी भी भूखे नहीं रहने चाहिए

अब मैं शहर में रोटी तोड़ता हूँ
पर खिड़की के बाहर, पंछी नहीं
बस धूल उड़ाती गाड़ियाँ हैं

क्या बचाऊँ मैं ? माँ की वो बात
या वो भूख, जो अब मेरे भीतर भी
कहीं पंख फड़फड़ाती है।

कवि और गीतकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य की चुनौतियों को लेकर कहना है कि इस इंटरनेट युग में हर कोई सोशल मीडिया पर अपनी अभिरुचि की सामग्री तलाश कर ज्ञान पाना चाहता है, लेकिन यह सत्य है कि गुरुओं के सानिध्य के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बदलते परिवेश में वरिष्ठ साहित्यकारों और लेखकों की पुस्तकों का अध्ययन करने से लेखनी को यशस्वी किया जा सकता है।

साक्षात्कार | **ओ.पी. पाल**

मानवीय मूल्यों को जीवंत रखने में साहित्य अहम : वीरेन्द्र 'मधुर'

भारतीय संस्कृति में सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य संवर्धन की भी अहम भूमिका मानी जाती है। इसलिए साहित्य के क्षेत्र में लेखक और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य सृजन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शामिल वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा भी सामयिक विषयों और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कविताएं, गीत, गजल, मुक्तक और आलेख जैसी रचनाओं के संसार को दिशा देने में जुटे हैं। उन्होंने हिंदी और हरियाणवी भाषा में साहित्यिक साधना के साथ सामाजिक सेवा को भी सर्वोपरि रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र 'मधुर' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें साहित्य संवर्धन में सभी भाषाओं के सम्मान के साथ मानवीय मूल्यों को जीवंत रखना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि वीरेन्द्र 'मधुर' का जन्म 1 जनवरी 1958 को यूपी के मुजफ्फरनगर में रामेश्वर प्रसाद शर्मा एवं सुशीला देवी के घर में हुआ।

परिवार में हालांकि कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा मूल चंद शर्मा शिक्षक रहे। वीरेन्द्र की प्राथमिक शिक्षा शहर की प्राइमरी पाठशाला में हुई, जहां उनके प्रथम गुरु मोहम्मद इकबाल बने। इन्हें पहली बार साल 1968 में कक्षा पांच के दौरान स्कूल में मंच मिला। स्कूल में वे साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मंचन के साथ ड्रामा, डांस और गाना बजाना भी करने लगे। उन्होंने कक्षा छह से आठ तक स्कूल में अंताक्षरी, वाद-विवाद और अभिनय में हमेशा प्रथम स्थान हासिल करके हैट्रिक अपने नाम की। रसायन विषय से एमएससी की डिग्री के बाद उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी केमिकल प्रतिष्ठानों 32 साल तक नौकरी और व्यवसाय किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिरुचि से नाता नहीं तोड़ा और हारमोनियम और तबला भी सीखकर अपनी विधा को लगातार धार दी। बकौल वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उन्होंने साल 1974 में रचना गीत जब पीहू पीहू, इस रेत के शहर में, रिमझिम आया सावन, कहां से लाऊं बचपन अपना, जैसे गीत लिखना शुरू किया, जिन्हें सराहते हुए एक प्रख्यात कवि ने उन्हें मधुर नाम दिया। उनके ये गीत काफी प्रचलित भी हुए। साल 1985 में वह परिवार के साथ हरियाणा के रोहतक आए, जहां उन्होंने एक कैमिकल प्रतिष्ठान में नौकरी की और उसके बाद रोहतक में ही बस गये। परिवार में बेटों के रोजगार लगने के बाद वे अपने साहित्यिक लेखन को आगे बढ़ाते रहे और हरियाणवी संस्कृति में रमना शुरू कर दिया। हालांकि उन्हें हरियाणा में भाषा विशेष के कारण परेशानी का भी सामना किया, जहां अलग पड़े धड़ों में हिंदी गीत को रागिनी के प्रचलन में रखना एक कठिन डगर रही लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साहित्य सृजन में तपस्या, मेहनत और अभ्यास ने उनके साहित्यिक लक्ष्य को बुलंदियां दी।

उन्होंने म्हारे गाम की छोरी, कदे कदे न्यू धड़के सै, जैसे अनेक हरियाणवी गीत व कविताएं भी लिखी हैं। उनकी रचनाओं का फोकस सामयिक और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों, अंधविश्वास, मानव एकता, देशभक्ति जैसे विषयों पर रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और काव्य मंच के संयोजक व संचालन का दायित्व निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों के साथ मंच साझा करने और काव्य पाठ करने का मौका मिला। इन्होंने साल 2017 में दुबई (यूएई) की विदेश यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत और काव्य पाठ किया है। वह रोहतक की कला परिक्रमा, पंजाबी साहित्यकार मण्डल, विजन फाऊण्डेशन, टैगोर काउंसिल आफ आर्ट रोहतक जैसी कई साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं वे संस्कार भारती रोहतक जिला इकाई के साहित्य प्रमुख भी रह चुके हैं। आकाशवाणी, डीडी न्यूज जयपुर और आकाशवाणी नई दिल्ली व हिसार से भी उनकी कविताओं और गीतों का प्रसारण हो चुका है। उनकी रचनाएं देश के प्रतिष्ठत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

गीतकार वीरेन्द मधुर की प्रकाशित एक दर्जन पुस्तकों में गीत संग्रह 'गलता हुआ हिमानी', 'भ्रूण के पहरुए', 'कोहराम जिंदगी का', कविता संग्रह आसमान लुटता है व साँझ मेरे आँगन आयी, गजल संग्रह आवाज का जंगल, कहानी संग्रह वापस गांव की ओर, भक्तिगीत काव्य संग्रह हरि मन मनके सुर्खियों में हैं। उन्होंने काव्य संग्रह मुक्तक वाटिका और बच्चों के लिए हंसता बचपन शीर्षक से भी पुस्तक लिखी हैं। इन्होंने कला परिक्रमा संग्रह रचनाएं भी लिखी हैं।

वीरेन्द्र 'मधुर'

पुरस्कार व सम्मान

वरिष्ठ कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र मधुर को साहित्यिक सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कार मिले हैं। प्रमुख रूप से उन्हें हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हंस पुरस्कार, अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, काव्य-भूषण सम्मान, साहित्य सम्मान, प्रज्ञा साहित्य मंच का 'साहित्य सोम' सम्मान मिले हैं। वहीं जयपुर, मेरठ, नांदूरा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली, कला संगम दिल्ली, भारतीय महोत्सव समिति श्रीगंगानगर जैसी सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान दिया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : वीरेन्द्र 'मधुर'
जन्मतिथि : 1 जनवरी 1958
जन्म स्थान : मुजफ्फरनगर (यूपी)
वर्तमान निवास : रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : एम.एस.सी. (रसायन)
संप्रति : लेखक, कवि एवं गीतकार

सावन का दर्पण है 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य'

पुस्तक : मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 299 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

पुस्तक समीक्षा | **सुशील सैनी**

लघु कविता संग्रह 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य' में रचनाकार डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने प्रकृति का बखूबी वर्णन किया है। संग्रह में तमाम कविताएं मुम्बई शहर पर आधारित हैं। कवि के अनुसार उन्हें खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई महानगर में जाकर रहना पड़ा, तब सावन का महीना था। इसी दौरान इन लघु कविताओं को लिखने की प्रेरणा मिली।

कवि ने शायद इसी कारण इस संग्रह में मुंबई के सावन को लघु कविताओं का आधार बनाया है। उदाहरण देखिए, 'सावन की मस्ती' में - लगती है जब सावन झड़ी/ टिप-टिप करती हैं बारिश की बूँदें।' सावन में धरती बारिश से भीग जाती है, (सावन से भीगी धरती)। धूप में बरसता सावन के बूँदों की/चमक है निराली (धूप में बरसता सावन)। कवि ने वर्षा का चित्रण इस प्रकार किया है- छम-छम करती वर्षा/ठण्डी-ठण्डी हवाएँ (वर्षा की फुहारें)। बरसात रुक-रुक कर हुई तेज़ वर्षा/बरस रहे मेघ (बरस रहे मेघ) कई बार बादल आसमान घेर लेते हैं- घिर-घिर आये/सावन के बादल/गरजते, बरसते (बादलों ने आसमान को घेरा)।

इसी प्रकार, सावन की बारिश में भीगी भीगी लड़की/प्राकृतिक सौंदर्य से चेहरे पर भी मुस्कान। सावन की हवाएँ, सुहावनी हवाएँ भी कह रहीं और सुहावनी रात गीत गाती हैं (सुहावनी रात)। हम कह सकते हैं कि इस संग्रह की ज्यादातर कविताएं बारिश का ही वर्णन करती प्रतीत होती हैं। तरह-तरह की इनकी है/ प्राकृतिक रँग-बिरँगी पोशाक (पक्षियों की प्रकृति) और 'सावन में पक्षी 'उड़ते हैं- पक्षियों की होती है उड़ान / एक दिशा से दूसरी दिशा तक। ऐसे समय में प्रवासी पक्षी भी दिखाई देते हैं- आते हैं प्रवासी खूबसूरत पक्षी (खूबसूरत पक्षी) 'चली हवाएँ' और 'बहारों के सपने' में कवि ने मंद-मंद हवा और फूलों की बात कही है। 'पतझड़' में छाया है निराला पतझड़/कल आएगा बसन्त लेकर, कवि के आशावादी दृष्टिकोण को दिखाता है। बरसात के अतिरिक्त कवि ने मुम्बई के दर्शनीय स्थलों जैसे 'जुहू चौपाटी' और 'मरीन ड्राइव' 'एलीफैंट गुफ़ाएं' पर भी लेखनी चलाई है। 'पेड़ लगाओ काटना बंद करो' के जरिए कवि ने पौधरोपण का भी आह्वान किया है। वे कहते हैं- विकास से प्रदूषित है पर्यावरण/ दहक रहे जंगल सिसक रहा है पर्यावरण (दरकते जंगल सिसकता पर्यावरण)। इस संग्रह में करीब एक सौ लघु कविताएं सम्मिलित हैं। इनकी भाषा सहज और सरल है। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

डा. प्रवीन कुमार श्रीलंका में प्रस्तुत करेंगे शोध पत्र

सोनीपत। जिले के गांव नयाबांस निवासी डॉ. प्रवीन कुमार 26 जून को श्रीलंका में आयोजित होने जा रहे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। यह सम्मेलन श्रीलंका पुस्तकालय संघ (लाइब्रेरी एसोसिएशन) और पेराडेनिया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

डा. प्रवीन पानीपत के आईबी कॉलेज में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। सम्मेलन का मुख्य विषय पुस्तकालय : सतत सामाजिक-सांस्कृतिक पूंजी के आधारस्तंभ है। इसमें विभिन्न देशों से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान क्षेत्र के विशेषज्ञ भाग लेकर अपने ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे। डा. कुमार इससे पूर्व भी एथेंस (ग्रीस) और बैंकॉक (थाईलैंड) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग ले चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पिता सतनारायण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतराष्ट्रीय मंच पर शोध कार्य प्रस्तुत करना न केवल डॉ. प्रवीन की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

जल्द करवाया जाएगा लखेरा समाज का चुनाव

खरखौदा। स्थानीय लाला जय नारायण धर्मशाला में लखेरा समाज की वार्षिक मीटिंग हुई। जिसमें सोनीपत धर्मशाला के प्रधान के चुनाव व समाज को कैसे आगे बढ़ाया जाए, विचार विमर्श किया गया। समाज के होनहार छात्रों, खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया जा सके, इस विषय पर विचार विनिमय किया गया। बैठक में लखेरा समाज के चुनाव जल्दी कराने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर सोनीपत के पूर्व प्रधान राममेहर नैनवाया, महासचिव हरीश लखेरा पनिहार, उप प्रधान अमरदीप उर्फ भोलू, खेल सचिव मुकेश राठौर, समाजसेवी आनंद चौहान व नरेश दत्त चौहान व सदस्य जिला कार्यकारिणी मीडिया प्रभारी रोहित राठौर थाना कलां आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थी बड़ा खिलाड़ी बनने के लिए करें कठोर मेहनत : पद्मश्री योगेश्वर दत्त

एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, हॉकी, क्रिकेट, मुक्केबाज़ी और टेनिस जैसे नौ प्रमुख खेलों की विधिवत कोचिंग दी

- सपने वो लें जो आपको सोने न दें : कुलपति अशोक कुमार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राई

हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई, सोनीपत में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री योगेश्वर दत्त ने शिरकत की। प्रशिक्षण शिविर में कुल 145 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्हें एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, हॉकी, क्रिकेट, मुक्केबाज़ी और टेनिस जैसे नौ प्रमुख खेलों की विधिवत कोचिंग दी गई। पद्मश्री योगेश्वर दत्त ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते कहा, खेल और पढ़ाई दोनों को साथ लेकर चलना अत्यंत आवश्यक है। अनुशासन और समर्पण ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि इस शिविर में स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग, स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, इंजरी एंड रिहैबिलिटेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त कर आप सभी ने अपने खेल जीवन को एक नई दिशा दी है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्मरण कराया, यदि आपको बड़ा खिलाड़ी बनना है, तो त्याग और कठिन परिश्रम को जीवन का हिस्सा बनाना पड़ेगा। एक खिलाड़ी का दूसरा नाम ही त्याग है। कुलपति अशोक कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित रहा, जिसमें विद्यार्थियों को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ मानसिक मजबूती, खेल विज्ञान और सामूहिक कार्य संस्कृति का प्रशिक्षण भी दिया गया। कुलपति ने बताया कि इसमें प्रशिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों को खेल मनोविज्ञान, खेल पोषण, बायोमैकेनिक्स, फिजियोलॉजी, इंजरी व पुनर्वास, शक्ति एवं कंडीशनिंग आदि विषयों की कक्षाएं भी दी गईं। विद्यार्थियों की शारीरिक रिकवरी के लिए योग और तैराकी सत्र आयोजित किए गए। साथ ही, पास की अन्य टीमों को आमंत्रित कर बिल्ड-अप प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिससे खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के लिए व्यावहारिक अनुभव मिल सके। स्कूल की प्राचार्य एवं निदेशक डॉ. मौसमी घोषाल, खेल निदेशक संजय सारस्वत ने छात्रों को संबोधित किया।

राई। पद्मश्री योगेश्वर दत्त व कुलपति अशोक कुमार शिविर के प्रतिभागी छात्रों के साथ। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

अवसर पर विवि के रजिस्ट्रार जसविंदर सिंह, डीन प्रो. योगेश कुमार, खेल निदेशक संजय सारस्वत, विवि व स्कूल के शिक्षकगण एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोहाना : राष्ट्रीय ग्रेपलिंग लीग में संध्या राठी के दांव सब पर भारी

- गांव धनाना की राष्ट्रीय पहलवान संध्या ने ग्रेपलिंग लीग में दिखाया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

फस्ट ओपन राष्ट्रीय ग्रेपलिंग लीग : 2025 में गांव धनाना की छोरी कुमारी संध्या राठी पुत्री स्व. संदीप राठी के दांव अपने सब प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़े। प्रतियोगिता में उन्होंने स्वर्ण पदक जीत कर अपना व अपने गांव का नाम रोशन किया है। उनके इस शानदार प्रदर्शन को लेकर गांव में खुशी का माहौल है। कुमारी संध्या राठी एक राष्ट्रीय स्तर की मेधावी पहलवान हैं।

पब्लिक मीडिया फोर्स आर्गेनाइजेशन (पीएमएफओ) द्वारा हिसार के अग्रसेन भवन में 19, 20 व 21 जून को लडक़े और लड़कियों की फस्ट ओपन राष्ट्रीय ग्रेपलिंग लीगः 2025 आयोजित की गई। प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से खिलाडियों ने प्रतिभागिता करके अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। कुमारी संध्या राठी ने इस प्रतियोगिता में -55 किलोग्राम भारवर्ग में पहला स्थान प्राप्त करके स्वर्ण पदक और 21 हजार रुपये नदक पुरस्कार जीत लिया। कुमारी संध्या ने प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में राजस्थान की खिलाड़ी रिया को पराजित किया। इस शानदार प्रदर्शन को लेकर खिलाड़ी संध्या को उनकी दादी मूर्ति देवी, मां सुमन, चाचा प्रदीप राठी, भाई राहुल व वंश ने खुशी व्यक्त की।

गोहाना। कुमारी संध्या राठी को स्वर्ण पदक प्रदान करके विजेता घोषित करते हुए कोच।

सिटी व शास्त्री पार्क में लगाए दस पौधे

सोनीपत। पौधरोपण अभियान के दौरान उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा सिटी पार्क व शास्त्री पार्क में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज की मुहिम में फलदार व छायादार बेलगारी आंवला के 10 पौधे लगाए। सभी से निवेदन किया अभी बारिश के मौसम में सभी अधिक से अधिक पौधे लगाए और जब तक वह पेड़ नहीं बन जाते उनकी देखभाल करें ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। इस अवसर पर अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, फौजी राजसिंह गहलावत, रविंद्र हुड्डा, पंडित श्रीभगवान, सोना देवी, रंजीत माली आदि उपस्थित रहे।

मृतक के बड़े भाई की शिकायत पर मामला दर्ज

कुत्ता दफनाने को लेकर कहासुनी सुआ घोंपकर उतारा मौत के घाट

नसीब की छाती में बाई तरफ दिल के ऊपर और बाई तरफ पेट में किए वार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

शहर के गौतम नगर में एक युवक की उसके पड़ोसी ने नुकीले हथियार (सुए) से हमला करके हत्या कर दी। वारदात को अंजाम मरा हुआ कुत्ता दफनाने को लेकर हुई कहासुनी को लेकर दिया गया। युवक को स्वजन नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक चार बेटियों का पिता था। शहर थाना में मृतक के बड़े भाई की शिकायत पर केस दर्ज किया गया।

गौतम नगर के धर्मबीर ने पुलिस को बताया कि वे चार भाई हैं। उनके मकान पास-पास में हैं। सबसे छोटा नसीब (35) कबाड़ी का काम करता था। वह फेरी लगाकर पुराना समान खरीदता था। शनिवार को नसीब और पड़ोसी राजू की आपस में कहासुनी हो गई थी। राजू शराब पीकर उसके भाई से गाली-गलौच कर रहा था और कह रहा था कि अगर तू उससे रोकटोक करेगा तो वह उसे जान से मार देगा। शनिवार को राजू उसके भाई नसीब के मकान के सामने प्लाट में मरा कुत्ता दफना रहा था। नसीब ने उसे प्लाट में कुत्ता दफराने से मना कर दिया था। इस पर भी दोनों में कहासुनी हुई थी। शनिवार रात को परिवार के लोग भतीजे के जन्मदिन की पार्टी मनाकर हुक्का पी रहे थे। उसी समय राजू उनके यहां पहुंचा और आवाज देकर नसीब को बुलाया। नसीब ने गेट खोला तो राजू ने उस पर नुकीले हथियार (सुए) से हमला कर दिया। नसीब की छाती में बाई तरफ दिल के ऊपर और बाई तरफ पेट में वार किए गए। इसके बाद राजू भाग गया। स्वजन नसीब को अस्पताल लेकर गए जहां उसे मृत घोषित कर दिय[illegible] का पोस्टमार्टम कराया। नसीब की चार बेटियां हैं जिनमें सबसे छोटी लगभग छह माह की है।

अस्पताल परिसर में मौजूद मृतक के स्वजन व नागरिक अस्पताल जिसमें स्वजनों द्वारा नसीब को उपचार के लिए लाया गया।

न्याय की मांग

मृतक नसीब के बड़े भाई विजय और उसके स्वजनों ने कहा कि हमें न्याय चाहिए। आरोपित को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की घटना को अंजाम देने की सोचे भी नहीं। मामले को लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपित की तलाश शुरू कर दी गई है। *-संदीप, जांच अधिकारी*

विश्व शांति एवं समृद्ध सोनीपत की मनोकामना के लिए किया हवन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

मानव अधिकार संरक्षण संघ द्वारा रविवार को तिरंगा चौक पर विश्व शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान संघ के सलाहकार सत्यवीर आर्य ने यज्ञ का महत्व बताते हुए कहा कि यज्ञ सनातन धर्म का अहम हिस्सा है। यज्ञ के माध्यम से ईश्वर से सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। हवन यज्ञ में आहूति से निकलने वाले धुएं से वातावरण शुद्ध होता है। यज्ञमान जयवीर गहलावत ने कहा कि देश के प्रधामनंत्री के विश्व शांति के बारे में आदर्श वाक्य है यह दौर युद्ध का नही है। जिन देशों में युद्ध होता है, वहां निर्दोष मानव का नरसंहार हो रहा हैं। सामान्य जीवन पूरी तरह से बिखर गया हैं। जीवन की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति नहीं हो रही है। संघ के चेयरमैन संजय सिंगला ने कहा यज्ञ में हमारी प्रार्थना है कि सोनीपत अपराध मुक्त एवं जनता को मूलभूत आवश्यकताओं के लिए परेशान ना होना पड़े। इस अवसर राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. पूर्णमल गौड़, दिलबाग मोर, बिजेंद्र मलिक, रामफल मलिक, राजपाल गुलिया सहित अन्य ने यज्ञ में आहुति डाली।

जन्मदिन पर एक पौधा जरूर लगाएं : रितेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

गांव बली ब्राह्मणान निवासी जजपा वरिष्ठ नेता एडवोकेट रितेश शर्मा ने अपने जन्मदिन पर त्रिवेणी रोपी। उन्होंने रोपित पौधों के पेड़ बनने तक उनकी देखभाल की जिम्मेवारी भी ली। जजपा नेता रितेश शर्मा ने कहा कि पृथ्वी पर स्वस्थ व सुखमय जीवन के लिए पर्यावरण को संरक्षित रखना बेहद जरूरी है। जब तक पर्यावरण संरक्षित है तब तक पृथ्वी पर जीवन सुरक्षित है। हम अधिक से अधिक पौधे रोपित करके पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने जनसामान्य से आह्वान किया कि हर व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर वर्ष में एक बार एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेवारी भी लेनी चाहिए। रितेश शर्मा ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने जो पौधे लगाए थे आज उन पेड़ों के फल, छाया, लकड़ी, औषधीय गुण और स्वच्छ वायु का सुख हम भोग रहे हैं।

गोहाना। त्रिवेणी रोपण करते हुए जजपा नेता एडवोकेट मोनू शर्मा। फोटो : हरिभूमि

जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता करने का एसोसिएशन ने दिया मदद का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| खरखौदा

शहीद दलबीर सिंह महाविद्यालय में रविवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय एसोसिएशन के नए सदस्य तथा पुराने सदस्य व पदाधिकारी सदस्यों ने भाग लिया। इस वार्षिक मिलन समारोह में एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों ने नए सदस्यों का स्वागत किया तथा एक दूसरे का परिचय के साथ ही अपने अनुभव साझा किए । एसोसिएशन ने भविष्य में विभिन्न प्रकार के स्किल कार्यक्रम तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए आर्थिक मदद करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की तरफ से डॉ संगीता मान, जगबीर सिंह, डॉ रजनीश कुमारी तथा ऑनरेरी सदस्य के तौर पर अभिषेक दहिया ने भाग लिया।प्राचार्य डॉ तराना नेगी तथा वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ किरण सरोहा ने एसोसिएशन की सराहना की तथा आगे भी ऐसे ही एकजुट होकर महाविद्यालय तथा समाज के साथ जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुधीर, कुलदीप, आनंद, राजेंद्र तथा रवींद्र आदि का सहयोग रहा।

खरखौदा। मिलन समारोह में पहुंचे पूर्व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

कार्यक्रम ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया

योग भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति का एक मजबूत स्तंभ: नरेश

कपालभाती और ताड़ासन सहित विभिन्न यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया

- योग को आज वैश्विक स्तर पर स्वीकृति मिल रही

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में योग विशेषज्ञ नरेश ने प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाती और ताड़ासन सहित विभिन्न यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन स्कूल के एमडी अनिल मलिक का रहा। अध्यक्षता प्राचार्या उषा कौशिक ने की।

योग विशेषज्ञ नरेश ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति का एक एक मजबूत स्तंभ है। योग हमारी प्राचीन सांस्कृतिक पहचान है। योग को आज वैश्विक स्तर पर स्वीकृति मिल रही है जो हमारे लिए गर्व का विषय है। योगाचार्य नरेश ने रेखांकित किया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है अपितु यह मन, प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है। एमडी अनिल मलिक ने कहा कि योग मात्र एक शारीरिक क्रिया नहीं अपितु एक परिपूर्ण जीवन शैली है। योग दिवस स्वस्थ व संतुलित समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गोहाना। कार्यक्रम में प्रतिभागी शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

योग स्वस्थ जीवन जीने का एक प्राकृतिक मार्ग : महेंद्र मलिक

शेर सिंह स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने घर पर किया योग

- भागदौड़ भरे जीवन में स्वस्थ रहने के लिए योग का महत्व और बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

गोहाना में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपने-अपने घरों पर परिजनों के साथ योग किया। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों ने योगाभ्यास किया।

स्कूल के एमडी महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि योग भारतीय पुरातन संस्कृति का अभिन्न अंग है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक प्राकृतिक मार्ग है। हमारे ऋषि-मुनि योग विद्या से ही स्वच्छ जीवन यापन करते थे। योग मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है और हमें बीमारियों से बचाता है। आज भागदौड़ भरे जीवन में स्वस्थ रहने के लिए योग का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य कुलदीप देशवाल ने की। उन्होंने स्कूल में शिक्षकों के साथ योग किया। योग कार्यक्रम में अशोक दांगी, विकास डागर, रितु सांगवान व सुमित रोहिल्ला सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

दी अंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी की हुई बैठक

सोनीपत। डॉ. अम्बेडकर भवन, ककरोई रोड, सोनीपत में दी अम्बेडकर एजुकेशनल सोसायटी सोनीपत की आम सभा की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रधान सत्यवान भाटिया ने की व संचालन सचिव जगमिंदर सिंह ने किया। आम सभा में सत्र का आय -व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष महेन्द्रपाल सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभी आजीवन सदस्यों को ऑडिट रिपोर्ट वितरित की गई। सभी सदस्यों ने आय व्यय के ब्यौरे पर संतोष व्यक्त किया तथा जांच उपरांत 2024-25 के आय व्यय के ब्यौरे को ध्वनिमत से पारित किया। जिला रजिस्ट्रार (फर्मस एवं सोसायटी) सोनीपत द्वारा नियुक्त निरीक्षक मंजीत सिंह भी सभा में उपस्थित रहे। अंत में प्रधान सत्यवान भाटिया ने सभी आजीवन सदस्यों का धन्यवाद किया। आम सभा की बैठक में सोसायटी के उप प्रधान संजय कुमार, सह सचिव जवाहर सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सुल्तान सिहं भौरिया, कुलदीप राज, रविंद्र भाटिया, सुरेंद्र कुमार, जगबीर सिंह, नरेंद्र राणा आदि मौजूद रहे।

नाइट डोमिनेशन : हथियार तस्कर, नशा सौदागर और वाहन चोर चढ़े हत्थे

4,317 वाहनों की चेकिंग, 149 के चालान 23 जब्त, पीओ व बेल जम्पर भी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले में अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से शुक्रवार रात 11 बजे से शनिवार तड़के 4 बजे तक सोनीपत पुलिस ने नाइट डोमिनेशन अभियान चलाया। इस दौरान 4317 वाहनों की गहन चेकिंग की गई, जिसमें 149 वाहनों के चालान किए गए और 23 को जब्त किया गया। अभियान में जिले की 90 प्रतिशत पुलिस फोर्स शामिल रही। नाकेबंदी के जरिए दोपहिया, चारपहिया व भारी वाहनों की चेकिंग की गई।

इस दौरान अवैध हथियार की तस्करी से जुड़े एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त आरोपी को भी पकड़ा गया और मुकदमा दर्ज किया गया। जनवरी माह में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के केस में एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा वाहन बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त एक बेल जम्पर और एक घोषित अपराधी को भी दबोच कर अदालत में पेश किया गया। पीसीआर व राइडर के साथ-साथ पुलिस टीमों ने पैदल गश्त कर संवेदनशील इलाकों में उपस्थिति दर्ज कराई। नाईट डोमिनेशन अभियान का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और अपराधियों पर समय रहते नकेल कसना है।

सोनीपत। अभियान के तहत राई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया अवैध हथियार रखने का आरोपित।

कुल कार्रवाई की प्रमुख बातें

- 4317 वाहनों की गहन चेकिंग 149 चालान, 23 वाहन जब्त
- एक पीओ व बेल जम्पर पकड़ा
- सार्वजनिक स्थानों, होटलों और धर्मशालाओं में सघन चेकिंग की

मादक पदार्थ तस्कर जोनी गिरफ्तार

क्राइम यूनिट गन्नौर ने आरोपी जोनी पुत्र हरिचंद निवासी वार्ड नंबर 8, गन्नौर को मलिक सर्विस स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से 26.62 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ थाना एचएसआईआईडीसी बड़ी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

अवैध हथियार के साथ अभिषेक उर्फ टल्ला काबू

थाना राई की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभिषेक उर्फ टल्ला पुत्र बिहारीलाल निवासी जाखौली को बिस्वामिल चौक पुल के पास से गिरफ्तार किया। उसकी कार से 32 बोर की पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया।

मोटरसाइकिल चोरी में क्रिश गिरफ्तार

क्राइम यूनिट सेक्टर-27 ने जनवरी में दर्ज एक वाहन चोरी के मामले में क्रिश पुत्र राजेश निवासी पिलानी, जिला कैथल को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

अभियान का मकसद अपराधियों में भय पैदा करना

नाईट डोमिनेशन अभियान का मकसद अपराधियों में भय पैदा करना और कानून व्यवस्था को सशक्त बनाना है। अभियान के तहत जिलेभर में सघन नाकाबंदी, गश्त और चेकिंग की गई, जिससे पुलिस की सख्ती स्पष्ट रूप से दिखाई दी।
नरेंद्र कादयान, पुलिस उपायुक्त (क्राइम)

विधायक, मेयर व पार्षद ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

राई। विधायक कृष्णा गहलावत व मेयर राजीव जैन का स्वागत करते निगम पार्षद व भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई साथ में भाजपा नेतागण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

नगर निगम के वार्ड नंबर 8 गांव राई में रविवार को विधायक कृष्णा गहलावत ने एक करोड़ 22 लाख रुपए की लागत से फिरनी के कार्य, 16 लाख रुपए की लागत से पार्क की डेवलपमेंट , 35.50 लाख रुपए की लागत से छटपूजा घाट का निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नगर निगम मेयर राजीव जैन भी शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे। कार्यक्रम में पहुंचने पर विधायक कृष्णा गहलावत व नगर निगम मेयर राजीव जैन का भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं निगम पार्षद पुनीत राई ने फूलमालाओं से स्वागत किया । विधायक कृष्णा गहलावत ने संबोधित करते हुए कि गांव में पार्क विकसित होने के बाद लोगों को खुले वातावरण में घूमने के लिए जगह मिलेगी। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने भी आश्वासन दिया कि निगम के अंदर आने वाले गांव का विकास करवाने के लिए वह प्रयासरत है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा नेता मास्टर सत्यनारायण आंतिल, मार्केट कमेटी के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल, सुंदर, वेदपाल शास्त्री, विकास कौशिक, अंजली बजाज, अनिल आंतिल, महावीर त्यागी, चंद्रपाल त्यागी, देवेंद्र कौशिक, राजकुमार कौशिक, ईश्वर कौशिक, रामकुमार वाल्मीकि, आनंद वाल्मीकि, कर्मवीर, अशोक कौशिक, अमरीश त्यागी, राकेश कौशिक, कृष्ण कौशिक, गुड्डू, छोटे लाल, तिवारी आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

भाविप के संस्कार शिविर में प्रतिभागी प्रतियोगिता के विजेताओं को नवाजा

- बच्चों को आत्मरक्षा के गुरु,योग आध्यात्मिक ध्यान, नैतिक शिक्षा पर आधारित प्रश्नोत्तरी सहिस अन्य प्रतियोगिता करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

भारत विकास परिषद गन्नौर शाखा द्वारा पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर में बच्चों को आत्मरक्षा के गुरु, योग आध्यात्मिक ध्यान, नैतिक शिक्षा पर आधारित प्रश्नोत्तरी चित्रकला, कहानियों के माध्यम से शिक्षा, बौद्धिक करवाए गए। मुख्यातिथि नगर पालिका के अध्यक्ष अरुण त्यागी ने भारत विकास परिषद गन्नौर द्वारा चलाए जा रहे शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में परिषद का योगदान अस्मरणीय हैं, भारतीय संस्कृति को बढ़ाने का कार्य परिषद करती हैं । भारतीय योग संस्थान के पदाधिकारियों को भी परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतिभागी छात्रों का भारत को जानो विषय को लेकर प्रतियोगिता हुई जिसमें 80 बच्चों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त के अलावा छह बच्चों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। आत्मरक्षा के गुर सीखने वाली कोच मनोज देसवाल, पिंकी, सागर को भी सम्मानित किया गया । सेवा भारती से प्रियंका शर्मा सुरेंद्र धीमान को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष संदीप सिंघल, डॉ. दीपचंद गर्ग, परिषद के योगेश कौशिक, आभा गर्ग गर्ग,राजेश चौहान, स्वाति चौहान, मनीषा जैन, दीपिका शर्मा, भावना जग्या, इंद्रा त्यागी, राजकुमार अग्रवाल,नरेंद्र पतंजलि, कृष्ण जिंदल,राजेंद्र कौशिक,निशा कौशिक आदि मौजूद थे।

गन्नौर। मुख्यातिथि बबीता बहन को स्मृति चिन्ह देते हुए साथ में परिषद के पदाधिकारी ।

गोहाना। कमांडेंट नितिन खोखर का स्वागत करते हुए विधायक इंदुराज नरवाल व ग्रामीण।
फोटो : हरिभूमि

किसान का बेटा पैरामिलिट्री फोर्स में बना कमांडेट

गोहाना। गांव शामड़ी निवासी किसान बिजेंद्र खोखर के पुत्र नितिन खोखर पैरामिलिट्री फोर्स में कमांडेट के पद पर नियुक्त हुए हैं। इस खुशी में रविवार को ग्रामीणों ने उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया। बरोदा विधानसभा के विधायक इंदुराज नरवाल और गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादयान भी नवनियुक्त कमांडेट को आशीर्वाद देने पहुंचे। नितिन खोखर के दादा रामकिशन खोखर मुख्य अध्यापक के पर से सेवानिवृत्त हैं। ग्रामीण नितिन खोखर को ढोल-नगाड़ों के साथ खुली जीप में बैठाकर गांव लेकर पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। विधायक इंदुराज नरवाल भालू ने कहा कि नितिन खोखर की यह उपलब्धि आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।समारोह में खोखर खाप की तरफ से नितिन खोखर को खोखर रत्न सम्मान दादा रामलाल खोखर का चित्र भेंट किया गया। समारोह में सरपंच हरिराम भुरू, सरपंच इंद्रपाल, रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्षा अशोक खोखर, संदीप,नीर, देवेंद्र, सुनील काला व राजेश पटवारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

सामाजिक बुराइयों को खत्म करने का संदेश देते संत कबीर के दोहे : कादियान

- गांव खेड़ी में संत कबीर दास की जयंती पर समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि संत कबीरदास के दोहे मानवता और सामाजिक बुराइयों को खत्म करने का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास के विचार आज भी समाज को दिशा देते हैं। वे रविवार को गांव खेड़ी गुर्जर में जुलाहा सेवा समिति द्वारा आयोजित संत कबीर जयंती समारोह में बोल रहे थे।

समारोह में आयोजकों ने विधायक का फूलमाला और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने विधायक को मांग पत्र सौंपा। इसमें खेल मैदान बनवाने और चौपाल का सौंदर्यकरण करवाने समेत कई मांग की गई। विधायक ने आश्वासन दिया कि मांगों पर जल्द काम होगा। कादियान ने संत कबीर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने उस समय समाज को जागरूक किया। विधायक ने कहा कि संत कबीर की शिक्षाएं आज भी समाज को आध्यात्मिकता, प्रेम, समानता और सामाजिक सौहार्द का संदेश देती हैं। इस अवसर पर सरपंच जगबीर छोक्कर, रावत फौजी, विनोद छोक्कर, धर्मबीर डाबला, उषा रानी, संतलाल, हर्ष, प्रिंस, अक्षय, रोहित, सावन कुमार, अजय और नरेंद्र मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान संत कबीर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए ।

विधायक ने कबीर प्रकटोत्सव और 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में की सहभागिता

सोनीपत। सोनीपत विधायक निखिल मदान ने रविवार को समाजिक और आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाले दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेकर सकारात्मक संदेश दिया। पहले कार्यक्रम में विधायक निखिल मदान जागृति धाम सेक्टर 15 के सामने पार्क में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में शामिल हुए, जिसका आयोजन विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा किया गया। उन्होंने वहां पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से कम से कम एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने का आह्वान किया।इस अवसर पर प्रवीण वर्मा, त्रिभुवन कौशिक, मोहन सिंह मनोचा, दिलबाग मास्टर, मनीष, रमपति देवी, भूप सिंह खन्ना, मंगत राम खुड़िया, सुरेश तंवर, जय कंवर नय्यर, सुनील, रामपाल, महावीर, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

कालूपुर में प्लॉट विवाद ने लिया हिंसक रूप

सोनीपत। कालूपुर गांव में चल रहे प्लॉट विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया, जब चार युवकों ने एक व्यक्ति को रास्ते में घेरकर हमला कर दिया और फिर उसके घर में घुसकर पूरे परिवार से मारपीट की। आरोपियों पर पीड़ित की पत्नी और बेटी के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने का भी गंभीर आरोप है। पीड़ित राजेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कालूपुर में स्थित उनके प्लॉट को लेकर रोहित, सोनू, नैशी, टीनू के दो बेटे, रमेश और आशीष के साथ हाईकोर्ट में केस चल रहा है। राजेश के अनुसार, कोर्ट के स्टे आदेश के बावजूद आरोपी प्लॉट में लगातार छेड़छाड़ करते रहे हैं और इस बारे में वह पहले भी पुलिस आयुक्त को शिकायत दे चुके हैं। शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे, जब राजेश विश्वकर्मा चौक पर बाइक से जा रहे थे, तभी रोहित दो अज्ञात युवकों के साथ हथियारों सहित वहां पहुंचा और उन पर हमला कर दिया। राजेश किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचे, लेकिन आरोपित उनका पीछा करते हुए घर तक आ धमके। राजेश का आरोप है कि घर में घुसकर आरोपितों ने न केवल उसके साथ मारपीट की, बल्कि उसकी पत्नी, मां और बेटी से छेड़छाड़ और अभद्रता भी की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है : आजाद नेहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

- वरिष्ठ भाजपा नेता आजाद नेहरा ने गांव भूरी में पौधरोपण किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन बात कार्यक्रम के लोकसभा संयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता आजाद नेहरा ने गांव भूरी में पौधारोपण किया। इस अवसर पर ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए नेहरा ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक सुख-सुविधाओं के कारण पर्यावरण का संतुलन दिन - प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है। इसलिए इसकी शुद्धता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ लगाकर उसकी सुरक्षा करे। अपने आस - साफ-सफाई रखें। पानी बेकार में न बहने दे। प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग कम से कम करें। नेहरा ने कहा कि हमारी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली का निर्देश है 15 अगस्त तक ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने का काम करे। इस अवसर पर राजपुर मंडल के अध्यक्ष श्रवण कौशिक ने बताया कि इस बरसात के मौसम में उनके मंडल की तरफ से 10 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने आजाद नेहरा को विश्वास व भरोसा दिलाया कि मंडल के किसी भी परिवार में कोई भी कार्यक्रम होगा उसमें सबसे पहले एक पौधा लगाकर उसका शुभारंभ किया जायेगा।

गन्नौर। भाजपा नेता आजाद नेहरा ,राजपुर मंडल अध्यक्ष श्रवण कौशिक ग्रामीणों से साथ गांव भूरी में पौधरोपण करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गांव के सरपंच मिंटू, विनोद शर्मा, रामेहर, सुरेश व गौरव सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सोनीपत। कुंडली में एकत्रित हुए पूर्वांचल प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं आमजन।

पूर्वांचल समाज की बैठक, निरंजन मास्टर पर दर्ज केस को बताया साजिश

सोनीपत। कुंडली के वार्ड नंबर 5 से पार्षद निरंजन मास्टर पर एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामले को लेकर पूर्वांचल समाज में भारी आक्रोश है। इस संबंध में एक आपात बैठक कुंडली में आयोजित की गई, जिसमें पूर्वांचल प्रकोष्ठ के सह-संयोजक व एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के हरियाणा सह-संयोजक संजय ठेकेदार, बांके बिहारी के प्रदेश अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, संयोजक संतोष गुप्ता सहित समाज के अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

बैठक में संजय ठेकेदार ने आरोप लगाया कि निरंजन मास्टर एक मेहनती, कर्मठ और ईमानदार जनप्रतिनिधि हैं और उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। संजय ठेकेदार ने स्पष्ट किया कि यह समाज हरियाणा की तरक्की में हमेशा सक्रिय भूमिका निभाता रहा है और निरंजन मास्टर भी इसी समाज का एक समर्पित चेहरा हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने स्थानीय विधायक कृष्णा गहलावत और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडोली से आग्रह किया कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और निरंजन मास्टर पर दर्ज मुकदमे को जल्द से जल्द निलंबित करवाया जाए। बैठक में धर्मेंद्र, विक्रम, सूरज सिंह, अनिल सिंह, दीपू, घनश्याम, राजीव दीक्षित, अनूप दुबे, रत्नेश झा व गौ सेवा दल के सदस्य भी मौजूद रहे।

धर्म-कर्म | पंडित अमित शौनक ने बताया शुभ संयोग और उपाय, शिवभक्तों के लिए विशेष फलदायी दिन

आषाढ़ माह का पहला सोम प्रदोष व्रत आज, शिव पार्वती की आराधना से मिलेगी सुख और समृद्धि

त्रयोदशी तिथि अलसुबह 1:21 बजे से रात 10:09 बजे तक रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को पड़ने वाला पहला प्रदोष व्रत इस बार सोमवार, 23 जून को रखा जाएगा। चूंकि यह प्रदोष व्रत सोमवार को पड़ रहा है, इसलिए इसे 'सोम प्रदोष व्रत' कहा जाएगा, जो कि भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष फलदायक माना जाता है। पंडित अमित शौनक के अनुसार, इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है, संतान सुख की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-शांति व समृद्धि का वास होता है। सोम प्रदोष व्रत विशेष रूप से संतान सुख, वैवाहिक जीवन की मिठास और पारिवारिक समृद्धि के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है। यह दिन शिवभक्तों के लिए न केवल धार्मिक, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति का भी माध्यम बन सकता है। पंडित अमित शौनक ने बताया कि आषाढ़ माह में पड़ने वाले प्रदोष व्रत का अधिक महत्व है। त्रयोदशी तिथि 23 जून को अलसुबह 1:21 बजे से रात 10:09 बजे तक रहेगी। ऐसे में प्रदोष व्रत 23 जून सोमवार को रखा जाएगा। यह प्रदोष व्रत सोमवार को पड़ रहा है, इसलिए इसे सोम प्रदोष व्रत भी कहा जाता है। सोम प्रदोष व्रत के दिन सर्वार्थ सिद्धि, धृति योग, शूल योग, कृत्तिका नक्षत्र का संयोग बन रहा है। धृति योग का संयोग 23 जून दोपहर 1:17 बजे तक रहेगा। इसके बाद शूल योग बनेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग 23 जून को दोपहर 3:16 बजे से 24 जून को सुबह 5:25 मिनट बजे तक रहेगा। कृत्तिका नक्षत्र प्रातः काल से लेकर दोपहर 3:16 बजे तक रहेगा। इसके बाद से रोहिणी नक्षत्र होगा। मान्यता है कि सोम प्रदोष व्रत रखने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। संतान पक्ष को भी लाभ होता है।

महत्वपूर्ण मुहूर्त

- अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:59 से दोपहर 12:47 बजे तक
- अमृतकालः दोपहर 1:06 से 2:33 बजे तक
- प्रदोष पूजा मुहूर्तः शाम 7:22 से रात 9:23 बजे तक

ऐसे करें सोम प्रदोष व्रत की पूजा

- सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लें और पूरे दिन उपवास रखें।
- घर के मंदिर या शिवालय में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करें।
- गंगाजल से शिवलिंग का जलाभिषेक करें।
- शिव को बेलपत्र, धतूरा, भांग, शहद, आक के फूल, फल अर्पित करें।
- शिव चालीसा, सोम प्रदोष व्रत कथा और मंत्रों का जाप करें।
- रुद्राभिषेक से ग्रह दोषों, रोगों और मनोकामना पूर्ति हेतु भगवान शिव से प्रार्थना करें।